No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

13311

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2019

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

---

*नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) अरी, व्यर्थ है व्यंजनों की बड़ाई,
हटा थाल, तू क्यों इसे आप लाई ?
वही पाक है, जो बिना भूख भावे,
बता किन्तु तू ही, उसे कौन खावे ?

(ख) वह हँसी बहुत कुछ कहती थी,
फिर भी अपने में रहती थी,
सबकी सुनती थी, सहती थी,
देती थी सबके दाँव, बन्धु !

(ग) जो तुम आ जाते एक बार !
कितनी करुणा कितने संदेश
पथ में बिछ जाते बन पराग
गाता प्राणों का तार तार
अनुराग भरा उन्माद राग
आँसू लेते वे पद पखार !

(घ) ये सिपाही भी कोई दूसरे हैं
पहले जो थे कुछ अदब करते थे
मेरा भी और उनका भी
अब जो हैं इतने उजड्ड हैं कि मैं
सेनाधिपति के लिए चिंतित हूँ ।

(ङ) मित्रो,
तीसरा रास्ता भी
है –
मगर वह
मगध
अवन्ती
कोसल
या
विदर्भ
होकर नहीं
जाता ।

2. भारतेन्दु की कविताओं की प्रमुख विशेषताएँ बताइए । *16*

3. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य-शिल्प पर विचार कीजिए । *16*

4. छायावादी काव्य में राष्ट्रीय चेतना की अंतर्धारा की पहचान कीजिए । *16*

5. छायावादी कवि के रूप में सुमित्रानंदन पंत का मूल्यांकन कीजिए । *16*

6. 'उर्वशी' में दर्शन और काव्य के परस्पर सम्बन्ध का विवेचन कीजिए । *16*

7. "महादेवी वर्मा की वेदना में भारतीय स्त्री का दु:ख बोलता है ।" इस कथन पर अपना अभिमत प्रकट कीजिए । *16*

8. रघुवीर सहाय की कविताओं की विशेषताएँ बताइए । *16*

9. श्रीकांत वर्मा की कविताओं में व्यक्त राजनीतिक दृष्टि का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । *16*